>

Title: Regarding alleged irregularities in the construction of four/six laning of National Highway between Jhansi and Bhognipur in Uttar Pradesh.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन): उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत जो रोड्स बनायी जा रही हैं, हमारे उत्तर प्रदेश में झांसी से लेकर भोगनीपुर के बीच में जो रोड बनाई जा रही है, उस पर जो मिट्टी डाली जा रही है, वह काली मिट्टी बिना जांच के डाली जा रही है। वह मिट्टी साइड से उठाकर डाली जा रही है। उरई, जो हमारे लोक सभा क्षेत्र का हैडक्वार्टर है, उरई के पास एक ग्रामसभा बड़ागांव है, उस बड़ागांव के तालाब की मिट्टी उठाकर उस रोड पर डाली गई और उसकी बिल्कुल कोई जांच नहीं की गई, यह स्थिति उस रोड की की जा रही है। मिट्टी के साथ-साथ जो गिट्टी डाली जा रही है, उसकी क्वालिटी भी ठीक नहीं है। न तो मिट्टी की उसमें मिक्सिंग की जा रही है, सीधे-सीधे क्रैशर से लाकर मिट्टी रोड पर डाली जा रही है और उस पर तुरन्त ही डामरीकरण किया जा रहा है। 50-50 मीटर पर जो डामरीकरण किया जा रहा है, उसमें तुरन्त मिट्टी डालने के कारण किया जा रहा है, उसके कारण जगह-जगह गड्ढे हो गये हैं। उस रोड पर जो पुराने पेड़ लगे हैं, उन्हें उखाड़ा जा रहा है। उसके बाद उन गड्ढों को अच्छी तरह से भरना चाहिए, लेकिन उन्हें भरा नहीं गया, उन्हीं पर मिट्टी डालकर सीधे रोड बना दी गई है। उसके ऊपर मिट्टी डालकर उसके ऊपर वाली लेयर पर मात्र थोड़ी सी कुटाई की गई है। झांसी के पास जो रोड निकल रही है, वह पहाड़ के किनारे से निकल रही है। पहाड़ की जो मिट्टी तोड़ी जा रही है, वही मिट्टी रोड पर डाली जा रही है, जबकि उन्हें बाहर से मिट्टी लाकर डालनी चाहिए। उस पर मिट्टी डालकर उसकी अच्छी तरह से कुटाई करनी चाहिए, जिससे जनता को उसका लाभ मिल सके। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या चाहते हैं?

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : जो रोड ये बना रहे हैं, उन्हें कम से कम चाहिए कि उसकी बगल में सर्विस रोड तो बना दें, ताकि वहां जो वाहन घंटों खड़े रहते हैं, अगर थोड़ा सा भी पानी बरस जाये तो वहां पर आवागमन बिल्कुल ठप्प हो जाता है। हम इसकी जांच कराना चाहते हैं कि जो सर्विस रोड ये लोग नहीं बना रहे हैं और उसका पैसा ये लोग निकाल रहे हैं। वहां जिन कम्पनियों ने यह काम लिया है, काश अगर वे काम करें तो हो सकता है कि अच्छा काम हो, लेकिन वहां के जो क्षेत्रीय ठेकेदार हैं, उन्हें यह काम दिया गया है और छोटे-छोटे ठेकेदार आधा-आधा किलोमीटर का काम कर रहे हैं, 3-3 सौ मीटर का काम कर रहे हैं, इसलिए उस काम की गुणवत्ता खराब हो रही है।

मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग है कि जो रोड बनाई जा रही है, उसमें जो घटिया किस्म का माल लगाया जा रहा है, उसकी उच्च-स्तरीय कमेटी बनाकर जांच की जाये, जिससे जो रोड बनाई जा रही है, जनता कम से कम उसका सही तरीके से उपयोग कर सके। अभी भी जो रोड बनाई गई है, उसमें बड़े-बड़े गड्ढे हैं, इससे वहां कोई भी दुर्घटना हो सकती है, इसलिए विशेष तौर पर इसकी जांच की जाये। धन्यवाद।